Regarding trenches dug up in elephant corridor in West Bengal and low height of high-tension power line in Jharkhand posing threat to elephants

श्री बिद्युत बरन महतो **(**जमशेदपुर**):** मैं सरकार का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल सरकार ने झारखंड से सटे अपने सीमा क्षेत्र में एक खाई खोद दी है, जिसके कारण हाथी उड़ीसा से शुरू होकर झारखंड से बंगाल तक जाने वाले हाथी गलियारे में प्रवेश नहीं कर पा रहे हैं । और इसी वजह से हाथी रास्ता भटक कर झारखंड के जंगलों और गांवों में घुस जाते हैं. हाथी कॉरिडोर में बिजली विभाग झारखंड द्वारा काफी कम ऊंचाई पर हाई एक्सटेंशन बिजली के तार लगाए गए हैं । हाल ही में 20 नवंबर को मुसाबनी वन क्षेत्र के ऊपरबंदा जंगल में पांच हाथियों की मौत का कारण 33 हजार केवी हाई टेंशन तार की कम ऊंचाई है. इससे पहले भी 22 जून 2022 को राखा वन क्षेत्र में हाई टेंशन तार की चपेट में आने से एक हाथी की मौत हो गई थी. अगर वन विभाग ने इस घटना को गंभीरता से लिया होता तो इस साल नवंबर के पहले सप्ताह में चाकुलिया वन क्षेत्र में लगातार दो दिनों में दो हाथियों की मौत और उसके बाद 20 नवम्बर मुसाबनी वन क्षेत्र के ऊपरबंदा जंगल में पांच हाथियों की मौत शायद नहीं हुआ होता l